भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.06.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 796 का उत्तर

रेलवे पर भारी वर्षा का प्रभाव

796. श्री मनोज कोटक:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि अत्यधिक वर्षा के कारण मुंबई में केंद्रीय रेलवे की रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास मॉनसून के मौसम के दौरान मुंबई की जीवन रेखा लोकल रेलगाड़ियों को सहायता प्रदान करने हेतु कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या लोकोमाटिव इंजनों में बदलाव किया गया है ताकि ये इंजन लोकल रेलगाड़ियों के साथ-साथ लंबी दूरी की उन रेलगाड़ियों को भी चला सकें जो जलभराव के कारण पटरियों पर फंस जाते हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क): भारी वर्षा के कारण मुंबई में सेण्ट्रल रेलवे की अभी तक कोई रेल सेवा प्रभावित नहीं हुई है।

(ख) और (ग): मुंबई लोकल रेलगाड़ियों के चालन की मॉनसून ऋतु सहित गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। मॉनसून ऋतु के दौरान मुंबई लोकल रेलगाड़ी के निर्बाध चालन के लिए किए जा रहे उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:-

mm

1. कंट्रोल रुम के अधिकारियों द्वारा चौबीस घंटे मॉनिटर किया जा रहा है और रनिंग और परिचालन कर्मचारियों को सतर्क रखा जाता है और बाढ़ के दौरान अल्प सूचना में कार्यालय पहुंचने का निर्देश दिया जाता है।

2. बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्रों में मोटर प्वाईंट क्लैंप किया जाता है।

3. मौसम विभाग, बीईएसटी और नगरपालिका प्राधिकारी के साथ नजदीकी समन्वय में पूर्वोपाय किए जाते हैं और उदघोषणा और मीडिया के माध्यम से आम जनता को सूचना दी जाती है।

4. रेलवे ट्रैक के बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्र में वाटर पम्प लगा दिए गए हैं और भारी वर्षा की स्थिति में क्लैंप किए जाने के वाले प्वाईंट चिह्नित कर दिए गए हैं।

5. इंजीनियरी विभाग द्वारा खतरे वाले स्थानों पर पैट्रोलमेन तैनात कर दिए गए हैं।

6. मक स्पेशल को ट्रैक में कूड़ा इत्यादि को साफ करने के लिए नियमित अंतराल पर चलाया जाता है।

7. स्थानीय परिवहन की व्यवस्था के लिए और यात्रियों को तत्काल निकालने के लिए विभिन्न नगरपालिका निकायों से नजदीकी समन्वय और संपर्क किया जाता है।

8. इंजीनियरी और संरक्षा विभाग द्वारा मॉनसून पूर्वोपाय बुकलेट जारी किए गए हैं, गहन मॉनिटरिंग से रेकों के डूबने से बचाने के लिए पूर्वोपाय किए जाते हैं।

9. असामान्य घटनाओं से निपटने के लिए विभिन्न स्थानों पर मॉनसून रेक तैयार किए जाते हैं।

10. टिकट जांच कर्मचारी की तैनाती और रेल सुरक्षा बल (रेसुब) राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) कर्मचारी के समन्वय से खतरे वाले स्थानों अर्थात उपरी सड़क पुल (एफओबी), स्टेशन प्रवेश/निकास पर भीड़ नियंत्रण।

11. टिकटिंग स्टॉफ की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए और मशीनों के डाउन टाईम से बचने के लिए अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस), स्वचलित टिकट वेडिंग मशीन और क्वाईन परिचालित टिकट वेडिंग मशीन (सीओटीवीएम) जैसे टिकटिंग उपकरणों का उचित रख-रखाव और अनुरक्षण।

12. सभी खान-पान स्टॉलों पर खान-पान सामग्री और पेय जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है।

(घ) और (ङ): इस प्रयोजन के लिए डीजल रेल इंजनों में कोई विशेष परिवर्तन नहीं किया गया है। डीजल रेल इंजन मौजूदा परिचालनिक परिस्थितियों में लंबी दूरी के साथ-साथ लोकल रेलगाड़ी की ढुलाई कर सकती है।

****

mm